647510 **0101203F1010** **Seat No :_____**

B.A. Semester - 2 (*CBCS*) Examination
June/July-2022 [OLD COURSE)
FOUNDATION HINDI (FOUNDATION)

Time: 2:30 Hours **Marks: 70**

Instructions:
1. All questions are compulsory.
2. Figures to the right indicate marks.

प्रश्न-१ मैथिलीशरण गुप्त के व्यक्तित्व और कृतित्व का परिचय दीजिए। (१४)

अथवा

प्रश्न-१ पंचवटी काव्य का कथासार लिखते हुए उसके उदेश्य पर प्रकाश डालिए।

प्रश्न-२ खण्डकाव्य के लक्षणों की चर्चा करते हुए पंचवटी का मूल्यांकन कीजिए। (१४

अथवा

प्रश्न-२ पंचवटी काव्य के आधार पर सीता का चरित्र-चित्रण कीजिए।

प्रश्न-३ पंचवटी काव्य में व्यक्त आधुनिक युगबोध पर प्रकाश डालिए। (१४)

अथवा

प्रश्न-३ पंचवटी काव्य में आधार पर लक्ष्मण की चारित्रिक विशेषताए बताइए।

प्रश्न-४ पंचवटी काव्य के आधार पर गुप्तजी की नारी भावना स्पष्ट कीजिए। (१४)

अथवा

प्रश्न-४ पंचवटी काव्य की मूल कथावस्तु बताते हुए गुप्तजी द्वारा किये गए परिवर्तनों की चर्चा कीजिए।

प्रश्न-५ (अ) पल्लवन कीजिए: (०७)

"जो बीत गयी, सो बात गयी।"

अथवा

"निज भाषा, निज माता, निज मातृभूमि सबसे महान है।"

(ब) संक्षेपण कीजिए: (०७)

पत्रकार भावना के स्तर पर जन-मानस में डुबकर जीता है। तीव्र विचारणा के स्तर पर आन्दोलित हो उठता है और विश्लेषण करने की बौद्धिक क्षमता के कारण राजनीतिक, सामाजिक और सांस्कृतिक स्तर पर अनुभव कर जन-मानस को वाणी देता है। ऐसा करके समय उसके सामने अपने विचारों की तीव्रता अभिव्यक्ति की मुख्यव्य से मिलती है और रचना-प्रक्रिया की ओर उन्मुख हो जाता है। पत्रकार की वाणी में जनता की वाणी का माधुर्य और आक्रोश मिलता है। वह जन-मानस का नेतृत्व करता है, इसलिए एक श्रेष्ठ पत्रकार के लिए विचारक और निष्पक्ष होना आवश्यक है। पदलोलुप पत्रकार राष्ट्र के लिए धातक सिध्ध होता है।

अथवा

काव्य-सृजन एक प्रकार की साधना है, जो प्रत्येक सामान्य जन की शक्ति एवं सामर्थ्य से परे है। काव्य के सृजन-हेतु विशेष प्रकार की प्रतिभा की आवश्यकता होती है। कवि अपनी प्रतिभा-शक्ति द्वारा कल्पना को उन्मीलित करके अपने अनारमन की गुहा में सुदावस्था में पडें धूमिल, अस्पष्ट एवं अरूप भावों और विचारों को स्पष्ट और रुपायित करता है। रचियता की सामूहिक भावनाए आनारिक प्रेरणा और शक्ति के कारण उट्टेलित होकर बाह्यभिव्यक्ति में रुपान्तरित होती है। प्रत्येक सृष्टि का प्राथमिक रूप मानसिक स्तर पर अवतरित होता है। संसार के प्रत्येक घटनाचक्र तथा आकर्षक का कवि के संवेदनशील भावुक मन पर प्रभाव पडता है। जब इसी सत्य और सौदर्य को वह रेखांकित करता है, तभी कला का जन्म होता है।

****